बिहार सरकार

"बिहार पृथ्वी दिवस (09 अगस्त, 2018)"

बिहार राज्य में अगस्त क्रांति (09 अगस्त) का दिन "बिहार पृथ्वी दिवस" के रुप में मनाया जाता है। वन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए विभाग के स्तर पर किये जा रहे महती प्रयासों की सफलता आमजन के समर्थन से ही संभव है। आईये, पर्यावरण की रक्षा हेतु निम्नलिखित संकल्प लें।

सभी प्रधानाध्यापक/शिक्षकों से अनुरोध है कि बिहार पृथ्वी दिवस के अवसर पर दिनांक–08 अगस्त से 10 अगस्त के मध्य किसी भी दिवस को विद्यालयों में वृक्षारोपण और संकल्प सभा का आयोजन कर विद्यार्थियों को निम्नांकित 11 सूत्री संकल्प दिलायें एवं दिनचर्या में शामिल करने हेतु प्रेरित करें।

संकल्प

1. पर्यावरण संतुलन के लिए सदैव सचेष्ट रहूँगा/रहूँगी।
2. वर्ष में कम से कम एक पौधा लगा कर उसकी देखभाल करूँगा/करूँगी।
3. तालाब, नदी एवं पोखर को प्रदूषित नहीं करूँगा/करूँगी।
4. जल का दुरूपयोग नहीं करूँगा/करूँगी एवं इस्तेमाल के बाद नल को बंद करूँगा/करूँगी।
5. आवश्यकतानुसार बिजली से संचालित उपकरणों का इस्तेमाल करूँगा/करूँगी।
6. कूड़ा-कचरा निर्धारित कूड़ेदान में डालूँगा/डालूँगी एवं लोगों को इसके लिए प्रेरित करूँगा/करूँगी।
7. अपने स्कूल एवं घर को साफ रखूँगा/रखूँगी।
8. प्लास्टिक/पोलीथीन का उपयोग बंद कर, कपड़े/कागज के थैलों का उपयोग करूँगा/करूँगी।
9. पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम का भाव रखूँगा/रखूँगी।
10. नजदीक के कार्य पैदल अथवा साइकिल से करूँगा/करूँगी।
11. कागज का अनावश्यक उपयोग नहीं करूँगा/करूँगी एवं लोगों को इस हेतु प्रेरित करूँगा/करूँगी।

पर्यावरण एवं वन विभाग एवं शिक्षा विभाग, बिहार सरकार

प्रधान सचिव,
शिक्षा विभाग, बिहार।

प्रधान सचिव,
पर्यावरण एवं वन विभाग, बिहार।